



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.07.2020	02	06-08

बीमारियों से संबंधित रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ा प्रचलन : डॉ. परमिल एचएयू में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के तहत दी जानकारी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बताए मुख्य वक्ता संबोधित किया। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपूरिया ने प्रतिभागियों से रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च

की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। रिफ्रेशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता एचएयू से सेवानिवृत्त डॉ. के.के. सक्सेना ने इनोमेट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	21.07.2020	11	01-02

हकृवि में कृषि आंकड़ों पर रिफ्रेशर कोर्स

- भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का बढ़ा प्रचलन

हरिभूमि न्यूज ►| हिसार

हकृवि में कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के

दिशा-निदेशानुसार किया जा रहा है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिंहपूरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बिमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं। उनमें लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	21.07.2020	04	02

बीमारियों संबंधी रिसर्च में ‘लोजिस्टिक रिग्रेशन विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

हिसार, 20 जुलाई (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में ‘कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीकी विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रैशमैंट कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रैशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है।

डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें ‘लोजिस्टिक रिग्रेशन’ विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उसी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। रिफ्रैशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ. के.के. सक्सेना ने इकनोमैट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	21.07.2020	--	--

भारत में बीमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिएशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

हिसार, 20 जुलाई (राज पराशर): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन फैक्शर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बताये विभिन्न विधियों को बताया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रो. मंजू सिंह टांक ने बताया कि फैक्शर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन फैक्शर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। फैक्शर कोर्स में सौ प्रतिभागी गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से हैं जबकि शेष प्रतिभागी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान व अनुसंधान केंद्रों वाल, भिवानी और महेंद्रगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि इस फैक्शर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की

जानकारी दी जा रही है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ ऑनलाइन फैक्शर कोर्स से जुड़े प्रतिभागियों को व्याख्यान दे रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.07.2020	04	01-02

'भारत में बीमारियों से संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेश कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. केके सक्सेना ने प्रतिभागियों को बताए मुख्य वक्ता संबोधित किया। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बीमारियों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन अबहुत अधिक बढ़ रहा है। वक्ता डॉ. केके सक्सेना ने बताया कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ प्रबंधन इत्यादि में इन तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। इन तकनीकों का प्रयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है, जिनके परिणाम सटीक होते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	20.07.2020	--	--

भारत में बीमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का बढ़ रहा प्रयोग : डॉ. परमिल

पांच बजे ब्यू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सार्विकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे अैनलाइन फ्रिशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सरसना ने प्रतिभागियों को बताया था कि विश्वविद्यालय संबंधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजु सिंह टांक ने बताया कि फ्रिशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशनसंभावना किया जा रहा है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के अैनलाइन फ्रिशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सूजनात्मकता बढ़ी और उन्हें सार्विकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिली। फ्रिशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस.

सिंदूरपुरीया ने प्रतिभागियों से इस फ्रिशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आवाहन किया है। डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न विभागों से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही है उनमें 'लोजिस्टिक रिग्रेशन' विधि का प्रचलन बहुत अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रिसर्च में इस विधि के प्रयोग से परिणाम बेहतर आते हैं और उनी आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण में सही व सटीक हो पाता है। उन्होंने कहा कि इस विधि का प्रयोग करने के बाद जो रिसर्च की जाती है, उसके बेहतर परिणाम आते हैं। उसी आधार पर शोधार्थी अपने शोध पत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रों में प्रकाशित करवा सकते हैं। फ्रिशर कोर्स के दूसरे मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत् डॉ. के.के. सरसना ने इकानोमेट्रिक्स की आधारभूत तकनीकों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ परिच्यावाक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सार्विकी तकनीक, अग्रिम सार्विकीय माडलिंग, सार्विकीय पैकेज, डिजाइन आँफ

प्रयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है, जिनके परिणाम स्टोक होते हैं। एक साथ 160 प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजु सिंह टांक ने बताया कि गणित और सार्विकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस अैनलाइन फ्रिशर कोर्स में एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। फ्रिशर कोर्स में सौ प्रतिभागी जुगल, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से हैं जबकि शेष प्रतिभागी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान व अनुसंधान केंद्रों बालक, भिवानी और महोदगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि इस फ्रिशर कोर्स में प्रतिभागियों को अैनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सार्विकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल में विभिन्न विज्ञानों जैसे अर्थशास्त्र, अर्थ परिच्यावाक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सार्विकी तकनीक, अग्रिम सार्विकीय माडलिंग, सार्विकीय पैकेज, डिजाइन आँफ

एक्सपरिमेंट्स, सार्विकीय जेनेटिक्स व विशेषज्ञ अनुलाइन फ्रिशर कोर्स से जुड़े अनुकूलन तकनीक शामिल हैं। मानव प्रतिभागियों को व्याख्यान दे रहे हैं और उन्हें संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजु सार्विकीय उपकरण और तकनीक' विषय से महता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस संबंधित विभिन्न प्रकार के मोड्यूल्स से कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के अवगत करता रहे हैं।

प्राइवेट स्कूल संघ ने डॉईओ अनिल शर्मा का किया स्वागत

हिसार। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुदू की अध्यक्षता में नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा से उनके कार्यालय में मुलाकात की और हिसार में कार्यग्रहण करने पर उनका स्वागत करते हुए शॉल भेटकर उन्हें समानित किया है। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के हांसी खंड प्रधान बलराज सिंह ने बताया कि डॉईओ अनिल शर्मा पलवल से ट्रांसफर होकर हिसार आए हैं। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डॉईओ के समक्ष प्राइवेट स्कूलों की समस्याओं को भी रखा और विस्तार से चर्चा की। नवनियुक्त डॉईओ अनिल शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्राइवेट स्कूलों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी धनपत सिंह से भी मुलाकात की और नियम 134 की बकाया राशि जट्ठ से जट्ठ जारी करने की मांग रखी। डॉईओ धनपत सिंह ने भी प्रतिनिधिमंडल को आशासन दिया कि यह राशि स्कूलों को जल्द जारी कर दी जाएगी। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुदू, संरक्षक तेलुराम रामायणवाल, प्रांतीय उपप्रधान सतीश दर्मा व सुरेश पंधाल, हांसी खंड प्रधान बलराज सिंह, अनिल कुमार, राजीव मिश्रानी, नवदीप, रामअवतार, तिलकराज, उमेश व राकेश सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	20.07.2020	--	--

भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में ‘लोजिस्टिक रिग्रेशन’ विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल

नियम संक्षिप्त वर्णन
हिंदूः जीवों जाग जीव हीपाल कुरि
 विविधतामें न भूयि अस्तु देव विवेकां देव
 विश्वासी उपाय औ उपायें जीव जा जाए
 तो जीवाल जीव जीवों में अन्य विविधतामें
 अन्य के वह सभी घटाव तथा वह कैवल जीवों के
 विविधतामें की कठी प्राप्त जाग विवेक जीव;

वर्तमान से शिक्षण में मूलतः इस ने सभा कि शिक्षा योग्य का व्यापक विवरणात्मक एवं प्राचीन विद्यालय जान लिए के बिना शिक्षणात्मक विषय नहीं है। सभाने विद्यालय के व्यापक विवरण में विभिन्न ग्रन्थ के अधिकारियों द्वारा शिक्षा योग्य से विवरित हो रहा विद्यालय एवं प्राचीन विद्यालय के अधिकारियों द्वारा शिक्षा योग्य की उन्हें विवरित की विधि व्यापक तरीकों एवं विवरण द्वारा साझा की गयी है। विद्यालय योग्य के बहु विवरितीय संघ के व्यापक विवरण में विवरण दीखते हैं जो यहीं। इसमें विवरण उपर

विश्वास के विश्वास वह प्राप्ति है जिसमें विश्वास के दोनों ओर से एक विश्वास आया है जो विश्वास को बढ़ावा देता है। यह विश्वास कुछ न होता है वह विश्वास है जो विश्वास के दोनों ओर से एक विश्वास आया है जो विश्वास को बढ़ावा देता है। यह विश्वास है जो विश्वास के दोनों ओर से एक विश्वास आया है जो विश्वास को बढ़ावा देता है। यह विश्वास है जो विश्वास के दोनों ओर से एक विश्वास आया है जो विश्वास को बढ़ावा देता है। यह विश्वास है जो विश्वास के दोनों ओर से एक विश्वास आया है जो विश्वास को बढ़ावा देता है।

डॉ. साहसेना ने कहा, विशेष
परीक्षणों में ही किया जाता
है गतिशीलता प्रयोग

एक साथ 160 प्रतिभागी
ले गोई शिर्मा

ਕਾਰੋਬ ਦੀ ਲਿਹਾਂ ਬੇਚਾ ਰਹ੍ਤ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਜਾਨ
ਕਿ ਰੱਖ ਕੀ ਪੰਡਿਤਾਂ ਵਿਚਾ ਕ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ ਜਾਨ
ਪੰਡਿਤ ਅਤੇ ਲਿਹਾਂ ਵਿਚਾ ਕੁਝ ਅੰਦਰਿਤ ਵੀ
ਜਿਵੇਂ ਪ੍ਰਿਗ ਕੀਤੇ ਹੋ ਏ ਕਿ ਜਾਨ ਵੀ ਉਪਰਾਂ
ਲਿਹਾਂ ਕੀ ਪ੍ਰਿਗ ਵਿਚਾ ਕਿਥੋਂ ਹੈ ਜੋ ਹੈ ? ਇਹਾਂ
ਵਿਚੋਂ ਵੀ ਪੰਡਿਤੀ ਗੁਣਾਂ, ਰੱਖ, ਯਾਂ ਆਂ, ਪ੍ਰਾਂ
ਵੀਂ, ਮੌਜੂਦਾ, ਕਾਰੋਬ, ਲਿਹਾਂ, ਕੁਝਾਂ ਕੀਤੇ
ਕੀ ਗਲਪ ਮੇਂ ਕਿ ਉਹਾਂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪੰਡਿਤਾਂ
ਲਿਹਾਂ ਵਿਚਾ ਕੇ ਕੀ ਪ੍ਰਿਗ ਕ ਜਾਨਦੇ ਹਨ ਕੀ
ਤਰੀ, ਪੰਡਿਤੀ ਕੀ ਜਾਨਦੀ ਹੈ ? ਉਨ੍ਹਾਂ ਜਾਨ ਕਿ
ਕੁਝ ਪ੍ਰਿਗ ਕੀਤੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਪੰਡਿਤਾਂ ਕਾਂ ਅੰਦਰਾਂ
ਵਿਚਾ ਕ ਜਾਨਾ ਹੈ ? ਅੰਦਰਾਂ ਕੇ ਪ੍ਰਿਗਾਂ ਕ
ਲਿਹਾਂ ਪੰਡਿਤੀ ਗੁਣਾਂ ਕੀ ਹਨ ? ਪ੍ਰਿਗ ਦੇ
ਪੰਡਿਤ ਪ੍ਰਿਗਾਂ ਕੀ ਹਨ ? ਜੋ ਹੈ ?



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु (प्रादेशिकी)	20.07.2020	--	--

डॉ समर एचएयू के कुलपति

हिसार। डा. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलपति बनाया गया है। डॉ. समर ने अपना कार्यभार ग्रहण ^{3/8} लिया है। गौरतलब है कि डॉ. समर ने इसी विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की है। डा. समर सिंह मौजूदा समय में महाराणा प्रताप होटिकल्चर यूनिवर्सिटी में कुलपति हैं। 61 साल के डा. समर सिंह कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हैं। करनाल के प्रेमखेड़ा गांव के रहने वाले डा. समर किसान परिवार से हैं। गांव के स्कूल से प्राथमिक शिक्षा के बाद उन्होंने 1975 में एचएयू के कॉलेज से बीएससी की। इसके बाद इसी विवि से एग्रोनोमी विषय से एमएससी की। 1982 तक इन्होंने एमएससी की पढ़ाई पूरी की। इनकी ज्वाइनिंग जनवरी, 1983 में कुरुक्षेत्र के कृषि ज्ञान केंद्र में एक जिला विस्तार विशेषज्ञ के रूप में हुई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (यूनिक हरियाणा)	20.07.2020	--	--

भारत में बिमारियों संबंधी रिसर्च में 'लोजिस्टिक रिफेरशन' विधि का बढ़ रहा प्रचलन : डॉ. परमिल कुमार

July 20, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 20 जुलाई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफेरशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफेरशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफेरशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफेरशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (जीवन आधार)	20.07.2020	--

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू के डॉ. परमिल कुमार व डॉ. के.के. सक्सेना ने प्रतिभागियों को मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशानुसार किया जा रहा है। कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिंधुपुरिया ने प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

डॉ. परमिल कुमार ने कहा कि भारत में विभिन्न बिमारिया से संबंधित जो भी रिसर्च की जा रही हैं उनमें 'लोजिस्टिक

